>

Title: Regarding alleged threat to the life of Members of Parliament by Maoists in Aurangabad, Bihar.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, पूरे देश भर में नक्सलिज्म का बहुत फैलाव हुआ है। आप जानते होंगे कि छत्तीसगढ़ में एक एमपी के भाई को बहुत बुरी तरह से कत्ल किया गया। आप झारखंड में देखेंगे तो वहां राजनीतिक कार्यकताओं पर बहुत बड़े पैमाने पर हमले हो रहे हैं और उसमें सभी पार्टियों के लोग शामिल हैं। दो दिन पहले, इसी सदन के सदस्य श्री सुशील कुमार सिंह और बिहार विधानसभा के स्पीकर को नक्सल इलाके से जान से मारने की धमकी मिली है। मेरा आपसे निवेदन है कि इस मामले को आप स्वयं देखें और उनकी सुरक्षा की वाजिब इंतजाम होना चाहिए। यह गंभीर समस्या है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या हो रही है, मैं यही मुद्दा आपके सामने उठाना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदया : सुशील कुमार सिंह जी, आप अपनी बात संक्षेप में कहिए।

श्री सुशील कुमार सिंह (औरंगाबाद): माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं बिहार के जिस इलाके से चुनकर आता हूं, मेरे संसदीय क्षेत्र के दोनों जिले गया और औरंगाबाद बुरी तरह से उग्रवाद से प्रभावित हैं। मैंने अपने राजनीतिक जीवन में कभी ऐसा कोई काम नहीं किया कि किसी गरीब को प्रताड़ित किया हो या किसी को परेशान किया हो। लेकिन उग्रवादी संगठनों के लोग दहशत फैलाने और भय पैदा करने की नीयत से हम जैसे राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को जान से मारने की धमकी देते हैं। अभी 24 और 25 तारीख को बिहार के हिंदी और अंग्रेजी दैनिक अखबारों में ये खबरें छपी हैं कि Maoists threaten to kill Aurangabad M.P. उनके सबसे मारक दस्ते गुरिल्ला आर्मी ने बाकायदा बैठक करके मीडिया के लोगों को बुलाकर संगीन के साये में एक प्रेस नोट जारी किया और कहा कि औरंगाबाद के एमपी को मौका मिलते ही हम जान से मार देंगे, उनका सफाया कर देंगे। ...(व्यवधान) माननीय अध्यक्ष महोदया, आप हम सभी सांसदों की अभिभावक हैं, हम लोगों की संरक्षिका हैं। सदन में गृह राज्य मंत्री जी उपस्थित हैं, मैं भारत सरकार से इस सदन का एक सदस्य होने के नाते, आपके माध्यम से आग्रह करना चाहूंगा, चूंकि मैं एक जनप्रतिनिधि हूं, क्षेत्र में जाना मेरी मजबूरी है, मेरा कर्तव्य है, मेरा फर्ज है, मेरी ड्यूटी है। मैं अपने क्षेत्र में कैसे नहीं जाऊंगा? उन इलाकों में जहां उग्रवाद का प्रभाव है, मेरा पूरा इलाका, गया और औरंगाबाद जिले उग्रवाद से प्रभावित है। मैं दिल्ली के बारे में भी कहना चाहूंगा। दिल्ली में कोबार्ट गांधी से लेकर एनसीसी के बड़े-बड़े नेता पकड़े गए। पालिका बाजार से उनके लिए वाईफाई सिस्टम लिए जा रहे थे। उनकी गिरफ्तारी हुयी और वे चीजें जब्त हुयीं। दिल्ली में भी उनका प्रभाव है। इसलिए मैं दिल्ली से लेकर अपनी कांस्टीट्युंसी तक आपके संरक्षण में सुरक्षा चाहता हूं, ताकि मैं अपने सामाजिक जीवन का, जो मेरा नैतिक कर्तव्य जनता की सेवा करना है, एक राजनीतिक कार्यकर्ता होने के नाते, मेरा जो धर्म और कर्तव्य है, उसको मैं बिना किसी डर के, निर्भीक तरीके निर्वहन कर सकूं। इसके लिए मैं आपका संरक्षण चाहता हूं और भारत सरकार से उचित सुरक्षा चाहता हूं।...(व्यवधान)

श्री शरद यादव : मंत्री जी इसके बारे में कहें। ...(व्यवधान)

डॉ. मुरली मनोहर जोशी (वाराणसी): हम भी इनसे सहमत हैं। सदस्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी के लिए गृहमंत्री जी को यहां आश्वस्त करना चाहिए। ...(व्यवधान) आपका निर्देश होना चाहिए। सरकार को आपकी डायरेक्शन होनी चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जो भी सदस्य इनसे अपने को जोड़ना चाहते हैं, अपने को संबद्ध करना चाहते हैं, वे अपने नाम सभा पटल पर भेज दें।

â€¦(व्यवधान)

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : गृह राज्य मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं, उनको इस बारे में सदन को आश्वासन देना चाहिए। ...(व्यवधान) सदस्य की सुरक्षा का प्रबंध करना चाहिए। ...(व्यवधान)

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय माकन): मैडम, किसी भी व्यक्ति के लिए सुरक्षा मुहैय्या कराने के पहले अलग-अलग एजेंसीज से इनपुट लेकर उसके ऊपर निर्णय किया जाता है। माननीय सदस्य और जिन भी सदस्यों को ऐसा लगता है कि उनको अपने क्षेत्र के अंदर जाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है और दिल्ली के अंदर भी अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता है, आपके माध्यम से या वैसे भी हमें गृह मंत्रालय में लिखें। उसके ऊपर हम जांच कराकर एजेंसी से रिपोर्ट लेकर ...(व्यवधान) बगैर एजेंसी से इनपुट लिए इसके ऊपर कोई फैसला नहीं हो सकता। ...(व्यवधान)

-

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): ~~SHRI V. NARAYANASAMY :~~ The hon. Minister has told about it. ...(*Interruptions*) What is this? ...(*Interruptions*) Madam, during the "Zero Hour," there need not be any interventions by the Ministers. The hon. Member has raised the issue. The hon. Minister has responded to it....(*Interruptions*) Then, he has to ascertain the facts.

â€¦(व्यवधान)

डॉ. मुरली मनोहर जोशी : आपको इस बारे में स्पष्ट करना चाहिए।...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, आप निर्देश दीजिए कि ये उनके लिए तत्काल व्यवस्था

करें।...(व्यवधान) यह आपका धर्म है कि इनकी रक्षा की जाए और अगर आप रक्षा करने में असमर्थ हैं तो अपना स्थान खाली कर दें और किसी दूसरे को यह स्थान दे दें।...(व्यवधान) आप क्या बात कर रहे हैं।...(व्यवधान) हमने इस तरह की बात कभी नहीं सुनी।...(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: The hon. Minister said that he would ascertain the facts and come back to the House because he cannot instantly reply to their queries, to the issue raised by the hon. Member....(*Interruptions*) He cannot reply to it immediately. He will have to ascertain the facts....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हमारे सम्मानित सांसदों की सुरक्षा हमारे लिए बहुत चिन्ता का विषय है और विशेष रूप से जिन्हें ज्यादा खतरा है, उनकी सुरक्षा की समुचित व्यवस्था अवश्य होनी चाहिए। इसमें जो भी कार्यवाही है, आप उसे शीघ्र करवाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : महाबली सिंह जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record except what Capt. Nishad says.

(Interruptions) â€¦ *

अध्यक्ष महोदया : श्री अर्जुन राम मेघवाल, डा. राजन सुशान्त, श्री देवजी एम. पटेल और श्रीमती पूनम वेलजीभाई जाट इस विषय के साथ अपने को सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)